

## अध्याय-6 | गिरधर कविराय की कुंडलियाँ

### QUIZ-01

1. "बिना बिचारे जो करै" का मुख्य संदेश क्या है?

- A. बिना सोचे काम करना चाहिए
- B. सोच-विचार करके काम करना चाहिए
- C. दूसरों पर हँसना चाहिए
- D. बीती बातों में खोए रहना चाहिए (B)

**व्याख्या:** कवि कहते हैं कि बिना सोचे किया गया काम बाद में पछतावा और हँसी का कारण बनता है।

2. बिना विचार किए काम करने से क्या होता है?

- A. काम सफल हो जाता है
- B. काम बिगड़ जाता है
- C. मन प्रसन्न हो जाता है
- D. सम्मान बढ़ जाता है (B)

**व्याख्या:** कुंडलिया में कहा गया है—काम बिगारे आपनो, यानी बिना सोचे काम करने से अपना काम बिगड़ता है।

3. "जग में होत हँसाय" का अर्थ क्या है?

- A. दुनिया प्रशंसा करती है
- B. लोग हँसी उड़ाते हैं
- C. सभी सहायता करते हैं.
- D. मन शांत रहता है (B)

**व्याख्या:** बिना सोच-विचार के गलती करने पर व्यक्ति दूसरों की हँसी का पात्र बन जाता है।

4. बिना सोचे किए काम के बाद मन की स्थिति कैसी होती है?

- A. मन में चैन नहीं रहता
- B. मन बहुत खुश रहता है
- C. मन शांत रहता है
- D. मन में डर नहीं रहता (A)

**व्याख्या:** कविता में आया है—चित्त में चैन न पावै, अर्थात् मन अशांत रहता है।

5. "बीती ताहि बिसारि दे" पंक्ति में कवि क्या सलाह देते हैं?

- A. अतीत को हमेशा याद रखो
- B. अतीत भूलकर आगे की सोचो
- C. केवल दुखों पर ध्यान दो
- D. भविष्य की चिंता न करो (B)

**व्याख्या:** कवि कहते हैं कि जो बीत गया उसे भूलकर आगे के जीवन और सुख की ओर ध्यान देना चाहिए।

6. "जो बनि आवै सहज में ताही में चित देइ" का अर्थ क्या है?

- A. सहज और संभव कार्य पर ध्यान दो
- B. असंभव कार्य पर अड़े रहो
- C. केवल बीती बात सोचो
- D. बिना सोचे निर्णय लो (A)

**व्याख्या:** कवि कहते हैं कि जो कार्य सहज रूप से संभव हो, उसी पर मन लगाना चाहिए।

7. गिरधर कविराय मुख्य रूप से किसके लिए याद किए जाते हैं?

- A. नाटकों के लिए
- B. लोकप्रचलित कुंडलियों के लिए
- C. उपन्यासों के लिए
- D. यात्रावृत्तांत के लिए (B)

**व्याख्या:** पाठ में बताया गया है कि गिरधर कविराय अपनी लोकप्रचलित कुंडलियों के लिए प्रसिद्ध हैं।

8. गिरधर कविराय की रचनाएँ किस प्रकार की बातें सरल शब्दों में कहती हैं?

- A. केवल युद्ध की बातें
- B. लोकनीति और घर-गृहस्थी की बातें
- C. केवल राजा-महाराजा की बातें
- D. केवल खेल-कूद की बातें (B)

**व्याख्या:** पाठ में बताया गया है कि उनकी रचनाओं में लोकनीति और साधारण लोक-व्यवहार की बातें सरल शब्दों में कही गई हैं।

9. "खान पान सम्मान राग रंग मनहि न भावै" का भाव क्या है?

- A. सब कुछ अच्छा लगता है
- B. गलती के पछतावे में कुछ अच्छा नहीं लगता
- C. व्यक्ति बहुत आनंदित रहता है
- D. व्यक्ति केवल भोजन चाहता है (B)

**व्याख्या:** बिना विचार किए हुए कार्य का पछतावा इतना कष्ट देता है कि भोजन, सम्मान और मनोरंजन भी अच्छे नहीं लगते।

10. कुंडलिया की एक विशेषता क्या बताई गई है?

- A. इसमें लय नहीं होती
- B. इसका पहला या दूसरा शब्द अंत में भी आता है
- C. इसमें केवल अंग्रेजी शब्द होते हैं
- D. इसमें कोई संदेश नहीं होता (B)

**व्याख्या:** पाठ में बताया गया है कि कुंडलिया में पहला या दूसरा शब्द उसका अंतिम शब्द भी होता है, जिससे इसकी रचना सुंदर बनती है।